श्रद्धा बुद्धि से परे है, उसकी विरोधी नहीं है।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोकजीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 188 | जयपुर. गुरुवार . | 05 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

40 विला-कॉटेज मामले में एसीबी का शिकंजा, अलवर में जमीनों की जांच

जयपुर (कासं)। IAS शिखर अग्रवाल और उनके परिवार के एक ही कंपनी से 40 विला-कॉटेज खरीदने के मामले में अब अलवर एसीबी ने भी जांच शुरू कर दी है। एसीबी ने अलवर जिला प्रशासन को लेटर जारी कर गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड के सभी भूमि (लैंड) कन्वर्जन की पूरी डिटेल मांगी है। इसके साथ ही प्रशासन से यह भी पूछा गया है कि जिले में इस कंपनी की और कहां-कहां जमीनें और संपत्तियां हैं। एसीबी के लेटर के बाद जिला प्रशासन तुरंत हरकत में आया। जिले के सभी पंजीयक दफ्तरों (रजिस्ट्रार ऑफिस) को इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। माना जा रहा है कि अगले दो दिन में पूरी रिपोर्ट तैयार कर एसीबी को सौंप दी जाएगी। दरअसल, IAS शिखर अग्रवाल, उनकी पत्नी IPS प्रशाखा माथुर, दो बेटों और सास-ससुर ने गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड से अलवर के अजबगढ़ में 20 विला और उदयपुर के बुझड़ा में 20 कॉटेज खरीदे थे। सभी को खरीदने में 6 करोड़ 16.5 लाख रुपए खर्च हुए। खरीद के साथ ही ये सभी विला-कॉटेज उसी कंपनी को लीज पर दे दिए, जिससे खरीदे थे। बुझड़ा के 20 कॉटेज 4 लाख प्रति कॉटेज और अजबगढ़ के 20 विला 5 लाख रुपए प्रति विला सालाना के हिसाब से कंपनी को लीज पर दिए। यानी हर साल लीज से मिलने वाली रकम 1.80 करोड़ रुपए है। गोयल फैशंस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का अजबगढ़ में अनंता स्पा एंड रिसॉर्ट है। इसी रिसॉर्ट में शिखर अग्रवाल के नाम 4 विला हैं। उनकी पत्नी IPS प्रशाखा माथुर के नाम 12 विला हैं। रिसॉर्ट में शिखर और प्रशाखा के अधिकांश विला की साइज 89 वर्ग मीटर है। इसमें एक कमरा, टॉयलेट, डाइनिंग एरिया और बालकनी शामिल हैं।

पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण में सरपंच पदों के लिए 856 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में

जयपुर (कासं)। पंचायतीराज आम चुनाव के तृतीय चरण के तहत जयपुर जिले की पांच पंचायत समितियों की 133 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए नाम वापसी के बाद 856 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में शेष हैं। सरपंच पद के लिए कुल 1,191 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जिनमें से 1,190 वैध पाए गए। नाम वापसी के बाद 334 अभ्यर्थियों ने अपने नाम वापस ले लिए। इस चरण में किसी भी ग्राम पंचायत में सरपंच पद पर निर्विरोध निर्वाचन नहीं हुआ है। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि क्षेत्रवार स्थिति के अनुसार चाकसू की 32 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए 211 अभ्यर्थी, कोटखावदा की 27 ग्राम पंचायतों में 174 अभ्यर्थी, माधोराजपुरा की 25 ग्राम पंचायतों में 167 अभ्यर्थी, फागी की 26 ग्राम पंचायतों में 154 अभ्यर्थी तथा सांगानेर की 23 ग्राम पंचायतों में 150 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं। उन्होंने बताया कि चाकसू में 295 नामांकन पत्र दाखिल हुए, जिनमें से 294 वैध पाए गए तथा 83 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिए। कोटखावदा में 249 नामांकन पत्र दाखिल हुए और सभी वैध पाए गए, जबकि 75 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिए। माधोराजपुरा में 230 नामांकन पत्र दाखिल हुए और सभी वैध रहे तथा 63 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिए। फागी में 220 नामांकन पत्र दाखिल हुए और सभी वैध पाए गए, जबकि 66 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिए। सांगानेर में 197 नामांकन पत्र दाखिल हुए और सभी वैध रहे तथा 47 अभ्यर्थियों ने नाम वापस लिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार, 5 नवंबर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा।

हारमोनियम पर मेघवाल ने छेड़ी सियासी तान, गाया—कहीं नहीं जाएंगे मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल कई बार अपने अनोखे अंदाज से सुर्खियां बटोर चुके हैं। उन्हें साइकिल से संसद तक जाते हुए देखा जा चुका है। इस बार उन्होंने फिर अपने अनोखे अंदाज में लोगों को चौंकाया है। उन्हें हारमोनियम पर तान छेड़ते हुए देखा गया है। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने एक अनोखा राजनीतिक अभियान शुरू कर दिया है। तब से, बीजेपी के कई नेता लगातार यही कह रहे हैं कि 'मोदी कहीं नहीं जाएंगे। '

इसी कड़ी में मेघवाल ने हाथ में हारमोनियम थामकर भजन शैली में एक गाना गाया है, जिसके बोल हैं- 'कहीं नहीं जाएंगे मोदी, कहीं नहीं जाएंगे मोदी।' 72 वर्षीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस गाने का एक छोटा वीडियो पोस्ट किया है।

इस वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चित्रों के साथ सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया गया है। गाने में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री मोदी, जो लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं, वे यहीं बने रहेंगे।

गाने के प्रमुख बोल

'कहीं नहीं जाएंगे मोदी... जाएंगे वो लोग जिन्होंने अपनी साख खो दी। मुफ्त में राशन, गैस सिलेंडर, मुफ्त में दिए मकान, सड़कें, बिजली, औषधि, जल और स्वच्छ भारत अभियान... '

अग्निवीरों के लिए सेना में स्थायी सेवा का रास्ता खुला
75% अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने अग्निवीरों को बड़ा तोहफा दिया है और सेवा विस्तार योजना पर बड़ा ऐलान किया है। केंद्रीय कैबिनेट के फैसले के मुताबिक 25% अग्निवीर नियमित सैनिक बनेंगे, जबकि बाकी 75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल का सेवा विस्तार दिया जाएगा।

यानी अग्निवीरों की सेवा चार साल से बढ़ाकर अब 6 साल कर दी गई है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ यानी सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दो साल का कार्यकाल पाने वाले अग्निवीरों को प्रदर्शन के आकलन के आधार पर बाद में स्थायी पदों की भी पेशकश की जाएगी। सीडीएस सुब्रमणि ने बताया कि सेवा विस्तार पाने वाले अग्निवीरों को बढ़ा हुआ वेतन और भत्ते मिलेंगे।

केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमण्यम ने कहा, आज भारतीय रक्षा बलों और हमारे 'अग्निवीरों' के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है। कैबिनेट ने सभी अग्निवीरों के लिए भारतीय रक्षा बलों में शामिल होने का रास्ता खोल दिया है।

जैसा कि आप जानते हैं, 'अग्निपथ' योजना 14 जून 2022 को शुरू की गई थी। उस समय यह कहा गया था कि अग्निवीरों के प्रदर्शन का लगातार मूल्यांकन किया जाएगा और समय-समय पर इस योजना की समीक्षा की जाएगी। अग्निवीरों का पहला बैच अब अपना चार साल का कार्यकाल पूरा करने के करीब है। इन चार वर्षों में किए गए प्रदर्शन मूल्यांकन के आधार पर, हमें उनके काम को लेकर बहुत सकारात्मक फीडबैक मिला है।



मुख्य बातें एक नजर में

- कैबिनेट ने अग्निवीरों के लिए नया रास्ता बनाया है।
- 25% को मेरिट के आधार पर नियमित सेवा में लिया जाएगा।
- बाकी 75% को 2 साल की अतिरिक्त सेवा का ऑफर मिलेगा।
- उस 2 साल के बाद जो इच्छुक होंगे और चयन मानदंड पूरे करेंगे, उन्हें सशस्त्र बलों में नियमित रूप से शामिल किया जाएगा।

सुब्रमण्यम ने आगे कहा, जैसा कि आप जानते हैं, योग्यता के आधार पर 25% अग्निवीरों को नियमित सेना में शामिल किया जाना है। पहले, 75% अग्निवीरों के लिए यह प्रावधान था कि वे अनुशासित और प्रेरित युवाओं के रूप में वापस समाज में लौट जाएंगे लेकिन इसमें केंद्रीय कैबिनेट ने बदलाव को मंजूरी दी है।

नई और अपडेट की गई योजना के तहत, बाकी बचे 75% अग्निवीरों को अब दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार दिया जाएगा। यह दो साल की अवधि पूरी होने पर, जो भी इच्छुक होंगे, उन्हें एक तय चयन प्रक्रिया के आधार पर सशस्त्र बलों में शामिल कर लिया जाएगा। इस योजना के ये चार मुख्य पहलू हैं।

अग्निवीरों पर यह बड़ा फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। बड़ी बात यह है कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब करीब 18,000 अग्निवीरों को कुछ सप्ताह बाद ही सशस्त्र बलों से सेवामुक्त होना था लेकिन अब उन सभी को दो साल का सेवा विस्तार मिल गया है। बता दें कि 2022 में 'अग्निपथ' योजना के तहत अग्निवीरों की भर्ती चार साल के कार्यकाल के लिए की गई थी।

इसमें प्रावधान था कि इनमें से केवल 25 प्रतिशत अग्निवीरों को ही नियमित सेवा में बरकरार रखा जाएगा।

इस बदलाव का एक अहम पहलू यह भी है कि इसे आगामी विधानसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है। अगले साल की शुरूआत में पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों से बड़ी संख्या में युवक सेना में शामिल होते हैं और वे अग्निपथ योजना के जरिए इसके लाभुक बने हैं। अब उन्हें दो साल का सेवा विस्तार मिल गया है।

सीडीएस ने कहा कि कैबिनेट ने दो साल की इस अवधि को मंजूरी दी है। चयन का दायरा बढ़ चुका है। सभी जिलों से अग्निवीर आ रहे हैं। पारदर्शिता के लिए अब पहले लिखित परीक्षा ली जा रही है, फिर फिजिकल टेस्ट ले रहे हैं। चार वर्षों की अवधि में अग्निवीरों की फिजिकल फिटनेस, हौसला और अनुशासन उच्च स्तर का रहा है। उनकी दक्षता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए गए हैं।

10वीं पास अग्निवीरों को आगे की पढ़ाई कराई गई है। फीडबैक और समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया कि 75 फीसदी अग्निवीरों को दो साल की अवधि और दी जाएगी। इसके तहत उन्हें ज्यादा पारितोषिक और विस्तारित सेवा निधि मिलेगी। इसी के साथ कैबिनेट ने सभी अग्निवीरों के लिए यह मार्ग प्रशस्त कर दिया है कि वे सशस्त्र बलों में समाहित हो सकें।

एनसीआर के 5 जिलों में दिवाली पर सिर्फ 3 घंटे आतिशबाजी की छूट

जयपुर (कासं)। दिवाली पर प्रदूषण को रोकने के लिए राजस्थान सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 5 जिलों में केवल 2 दिन ही पटाखे चलाने की छूट होगी। छूट भी केवल तीन घंटे के लिए ही मिलेगी। इन जिलों में केवल सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति होगी। इनके अलावा दूसरे पटाखों पर पूरी तरह रोक रहेगी। ग्रीन पटाखों के हर पैकेट पर क्यूआर कोड होना जरूरी है। इसे स्कैन करने पर पटाखे के निर्माता, सर्टिफिकेशन और लाइसेंस से जुड़ी जानकारी मिलेगी। बिना क्यूआर कोड वाले पटाखों की बिक्री नहीं हो सकेगी। पटाखे केवल तय दुकानों से ही बेच सकेंगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पटाखे बेचने पर भी रोक रहेगी। जिला कलेक्टर और पुलिस अधिकारियों को अवैध पटाखों की बिक्री, स्टॉक और सप्लाई रोकने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए विशेष टीमें बनाई जाएगी, जो दुकानों और गोदामों की जांच करेंगी। दिल्ली-एनसीआर में आने वाले वाहनों की भी चेकिंग होगी। नियम तोड़ने पर पटाखे जब्त करने के साथ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। राजस्थान पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और संबंधित जिला कार्यालय दिवाली के दौरान और इसके बाद रोजाना प्रदूषण के स्तर की जांच करेंगे। इसकी रिपोर्ट भी तैयार की जाएगी।

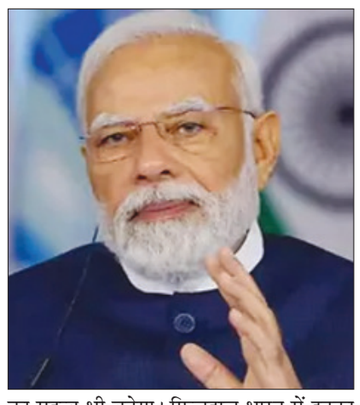
इलेक्ट्रिक वाहन, मोबाइल और रक्षा उपकरणों के लिए जरूरी खनिजों का देश में होगा प्रसंस्करण

लिथियम-निकेल के लिए देश में लगेंगे चार संयंत्र, 2814 करोड़ की योजना मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रिक गाड़ियां, मोबाइल, बैटरी और रक्षा उपकरणों का भविष्य उन खनिजों पर निर्भर है, जिनकी जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इनमें लिथियम, निकेल और कोबाल्ट जैसे खनिज सबसे अहम हैं। भारत में इन खनिजों की जरूरत तो बढ़ रही है, लेकिन इन्हें साफ करके उपयोग लायक बनाने के लिए देश अब भी दूसरे देशों पर काफी निर्भर है। ऐसे में सवाल है कि क्या भारत भविष्य की तकनीक के लिए जरूरी संसाधनों के मामले में आत्मनिर्भर बन पाएगा? केंद्र सरकार ने इसी दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2814 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। इसका नाम 'महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत सहायता योजना' रखा गया है। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच साल के लिए लागू होगी। इसके तहत देश में लिथियम और निकेल के प्रसंस्करण के लिए चार संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। सरकार का मकसद इन खनिजों को देश में ही साफ करके उच्च गुणवत्ता वाले पदार्थों में बदलना है, ताकि आयात पर निर्भरता घटे और भारत भविष्य की तकनीक बनाने की अपनी क्षमता बढ़ा सके।

भारत को लिथियम, निकेल और कोबाल्ट की जरूरत क्यों है?

लिथियम, निकेल और कोबाल्ट ऐसे खनिज हैं, जिनका इस्तेमाल कई आधुनिक तकनीकों में होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी बनाने में इनकी अहम भूमिका है। इसके अलावा मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, रक्षा क्षेत्र और विशेष प्रकार के इस्पात के निर्माण में भी इनकी जरूरत पड़ती है। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी की मांग बढ़ने के साथ इन खनिजों



का महत्व भी बढ़ेगा। फिलहाल भारत में इनका प्रसंस्करण करने की क्षमता सीमित है। कच्चे खनिजों को उपयोग लायक बनाने के लिए जरूरी तकनीक, बड़ी पूंजी और कच्चे माल की उपलब्धता भी चुनौती बनी हुई है। इसलिए सरकार देश के भीतर ही प्रसंस्करण की पूरी व्यवस्था विकसित करना चाहती है।

योजना के तहत कितने 4 संयंत्र लगाए जाएंगे

इस योजना के तहत कुल चार प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। इनमें दो संयंत्र लिथियम और दो निकेल के लिए होंगे। प्रत्येक लिथियम संयंत्र की न्यूनतम क्षमता 30 हजार टन और प्रत्येक निकेल संयंत्र की न्यूनतम क्षमता 50 हजार टन रखी गई है। सरकार पात्र निवेश पर 30 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी देगी। हालांकि, लिथियम संयंत्र लगाने वाले प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 500 करोड़ रुपये और निकेल संयंत्र लगाने वाले प्रत्येक लाभार्थी को अधिकतम 900 करोड़ रुपये की सहायता ही मिलेगी। इस तरह सरकार निजी निवेश को प्रोत्साहित करके देश में प्रसंस्करण की नई क्षमता तैयार करना चाहती है।

ट्रंप को बड़ा झटका, संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का कब्जा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। 3 नवंबर को हुए मतदान के नतीजों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों- सीनेट और प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) पर नियंत्रण हासिल कर लिया। इसके साथ ही ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दो वर्षों में चला आ रहा रिपब्लिकन पार्टी का संसद पर नियंत्रण खत्म हो गया है। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि ट्रंप ने 2024 में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद रिपब्लिकन पार्टी के लिए संसद के दोनों सदनों में बहुमत हासिल किया था। इस तरह राष्ट्रपति पद के साथ कांग्रेस पर भी उनकी पार्टी का नियंत्रण था। अब मध्यावधि चुनाव के नतीजों ने यह स्थिति बदल दी है।

चुनाव से पहले रिपब्लिकन के पास सीनेट की 53 सीटें थीं, जबकि डेमोक्रेट्स के पास 45 और उनके साथ खड़े 2 निर्दलीय सदस्यों का समर्थन था। इस बार डेमोक्रेट्स ने रिपब्लिकन से सात सीटें छीन लीं। शुरूआती घोषित नतीजों में डेमोक्रेटिक खेमे को 54 और रिपब्लिकन को 44 सीटें मिली थीं। यहां डेमोक्रेटिक खेमे में दो निर्दलीय सदस्य भी शामिल हैं। सीनेट में कुल 100 सदस्य होते हैं और बहुमत के लिए 51 सीटों की जरूरत होती है।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों पर चुनाव हुआ। बहुमत के लिए 218 सीटें जरूरी हैं। डेमोक्रेट्स ने यह आंकड़ा पार कर लिया। शुरूआती आकलन में डेमोक्रेट्स को 228 और रिपब्लिकन को 139 सीटें मिलती दिखाई गई हैं। कई सीटों पर मतगणना जारी है। इस सदन में जीत के साथ डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफ्रीज के जनवरी 2027 में स्पीकर बनने का रास्ता साफ हो गया है। वह इस पद पर पहुंचने वाले पहले अश्वेत नेता हो सकते हैं। इस बदलाव का सीधा असर ट्रंप के बाकी कार्यकाल पर पड़ेगा। अब उन्हें कानून बनाने, बजट पारित कराने और कई प्रशासनिक फैसलों को आगे बढ़ाने के लिए डेमोक्रेट्स के विरोध का सामना करना होगा।

प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत सिर्फ बहुमत हासिल करने तक सीमित नहीं रही। पार्टी ने कई ऐसे चुनावी क्षेत्रों में रिपब्लिकन उम्मीदवारों को हराया, जहां पहले मुकाबला कड़ा माना जा रहा था। कुछ राज्यों में पार्टी ने लंबे समय से रिपब्लिकन के पास रही सीटें भी छीन लीं। न्यू जर्सी की सातवीं सीट से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार रेबेका बेनेट ने रिपब्लिकन सांसद टॉम कीन जूनियर को हराया। पेंसिल्वेनिया की सातवीं सीट पर बॉब ब्रूक्स ने रिपब्लिकन रयान मैकेंजी को शिकस्त दी। इसी राज्य की आठवीं सीट से पैगे कोगनेटी और दसवीं सीट से जेनेल स्टेलसन ने भी जीत हासिल की। केंटकी की छठी सीट से जैक डेम्बो ने रिपब्लिकन उम्मीदवार राल्फ अल्वाराडो को हराया। विस्कॉन्सिन की पहली सीट से मिशेल बर्मन



और तीसरी सीट से रेबेका कुक ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों को हराकर डेमोक्रेट्स की झोली में सीटें डालीं। आयोवा की तीसरी सीट से सारा ट्रोन गैरीट, नॉर्थ कैरोलिना की 11वीं सीट से जेमी एगर और कोलोराडो की आठवीं सीट से मैनी रूटिनेल ने भी जीत दर्ज की। कैलिफोर्निया की पहली सीट से माइक मैकगायर और वर्जीनिया की दूसरी सीट से एलेन लुरिया ने भी डेमोक्रेटिक पार्टी के खाते में जीत जोड़ी। अलबामा की दूसरी सीट से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार शोमारी फिगर्स की जीत भी चर्चा में रही। यह उन सीटों में शामिल थी, जहां डेमोक्रेट्स ने अपनी स्थिति मजबूत की।

। 2026 के अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को तगड़ा झटका लगा है। इस चुनाव में डेमोक्रेट्स ने शानदार जीत हासिल की है। इसके बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति चिंतित नहीं हैं। उनका मानना है कि अगर वह खुद इस चुनाव में लड़ रहे होते तो रिपब्लिकन को भारी जीत मिलती। उन्होंने ट्रुथ स्पेशल पर एक पोस्ट के जरिए यह बात कही है। बता दें कि रिपब्लिकन उम्मीदवारों के लिए आयोजित कई रैलियों में ट्रंप ने मतदाताओं से कहा था कि वे ऐसा मान लें कि ट्रंप खुद चुनाव लड़ रहे हैं और उसी हिसाब से वोट दें। उन्होंने यह भी कहा कि वे अब एक राजनीतिक विशेषज्ञ की भूमिका निभाएंगे और बताएंगे कि रिपब्लिकन उम्मीदवार क्यों हारे।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, मैं बैलेट पेपर नहीं था। अगर मैं होता तो शानदार तरीके से चुनाव जीत जाता। इस मुद्दे पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद। एक दूसरे पोस्ट में उन्होंने लिखा, मैं एक राजनीतिक विशेषज्ञ बनने जा रहा हूं। मैं बताऊंगा कि ये उम्मीदवार क्यों जीते या हारे।

संसद चुनाव में मिली हार के बाद डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति के रूप में सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों पर नियंत्रण खो चुके हैं। अब उन्हें अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए वीटो और कार्यकारी आदेशों पर निर्भर रहना पड़ेगा। फॉक्स न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वाइट हाउस की तरफ से यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि इन हारों से उन पर कोई असर नहीं पड़ा है।

एक अधिकारी ने यह भी कहा कि जब राष्ट्रपति खुद चुनाव लड़ रहे होते हैं तो उनके समर्थकों के बड़ी संख्या में वोट डालने के लिए बाहर आने की संभावना अधिक होती है। रिपब्लिकन पार्टी के प्रदर्शन का बचाव करते हुए अधिकारी ने कहा कि ट्रंप ने कई रिपब्लिकन उम्मीदवारों के प्रचार में खुद उन उम्मीदवारों से भी बेहतर काम किया था।

ईरान ने चीन, इराक और कतर को भी दी राहत भारतीय जहाजों को होर्मुज से जाने की छूट

तेहरान (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर है। ईरान सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भारतीय जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से आने-जाने की छूट दी गई है। ईरान ने भारत के अलावा चीन, इराक और कतर के जहाजों को भी अपने प्रतिबंधों से बाहर रखा है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मोगद्दम ने कहा कि इन चार देशों के जहाज बिना किसी रोक-टोक के इस समुद्री रास्ते से गुजर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत को यह छूट दवाइयों के आयात को ध्यान में रखकर दी गई है। वहीं, चीन को यह सुविधा राजनीतिक समर्थन के बदले दी गई है। इस बीच ईरान के भीतर अमेरिका के साथ फिर से युद्ध शुरू होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान समेत कई बड़े नेता कतर की मध्यस्थता से बातचीत का रास्ता अपनाने के पक्ष में हैं।

ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मोगद्दम ने कहा कि भारत, चीन, इराक और कतर को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की विशेष अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि इन देशों के जहाज ईरान की तरफ से स्वतंत्र हैं और इस समुद्री रास्ते से आ-जा सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका को भी इन देशों के जहाजों की आवाजाही से कोई समस्या नहीं है। हयात-मोगद्दम ने कहा कि भारत को यह छूट इसलिए दी गई है, ताकि वह दवाइयों का आयात कर सके। चीन के मामले में उन्होंने राजनीतिक समर्थन को इसकी वजह बताया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि चीन के साथ आर्थिक लेनदेन भी जारी है। ईरान के इस बयान से भारतीय जहाजों के लिए होर्मुज के रास्ते व्यापार और जरूरी सामान की आपूर्ति जारी रखने की संभावना मजबूत हुई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य पश्चिम एशिया का बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है। इसके जरिए दुनिया के कई देशों तक ऊर्जा और व्यापार से जुड़ा सामान पहुंचता है। भारत के लिए भी यह रास्ता रणनीतिक और आर्थिक रूप से अहम है। इस मार्ग पर किसी तरह की रोक या तनाव का असर समुद्री व्यापार और जरूरी सामान की आपूर्ति पर पड़ सकता है। ईरान की ओर से भारतीय जहाजों को छूट देने की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव की आशंका बढ़ रही है। ईरान का कहना है कि भारत को दवाइयों के आयात में परेशानी न हो, इसलिए उसके जहाजों को आवाजाही की अनुमति दी गई है।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संपादक - स्व. श्री शिवकुमार जी त्रिपाठी

नए वायुयान नियमों से पारदर्शिता और यात्री हितों को मिलेगा संरक्षण

भारत जैसे विकासशील देश में, जहां हवाई यात्रा को अब 'लग्जरी' के बजाय मध्यम वर्ग और समय के पाबंद पेशेवरों के लिए 'आवश्यक सेवा' के रूप में देखा जाने लगा है, ऐसी अनियंत्रित कीमतें आम जन की पहुंच से बाहर हो जाती हैं। न्यायालय की यह टिप्पणी परोक्षत: इसी बात को रेखांकित करती है कि जब तक देश में शक्ति संपन्न विनियामक व्यवस्था नहीं होगी, तब तक यात्री शोषण का शिकार होते रहेंगे।

बहरहाल, भारतीय वायुयान नियम, 2026 के कई प्रावधान किफायती यात्रा सुनिश्चित करा सकते हैं। मिसाल के लिए, ङ्गमूल किराये, कर व शुल्कों को अब अलग-अलग बांटकर बताना होगा। असल में, विमानन कंपनियां शुरूआती बुकिंग के समय कम बेस फेयर दिखाती हैं, पर अंत में यूजर डेवलपमेंट फीस, टैक्स, सर्विस चार्ज व अन्य छिपे शुल्क जोड़कर बिल को भारी-भरकम बना देती हैं। नए नियमों के तहत कंपनियों को बुकिंग के वक्त ही टिकट के कुल मूल्य के साथ-साथ बेस फेयर, टैक्स, कैंसिलेशन चार्ज और रिफंड की शर्तों का अलग-अलग ब्योरा देना होगा। इससे छिपे हुए शुल्कों की मनमानी पर लगाम लगेगी और यात्री भी समझ सकेंगे कि वे किस मद में कितना पैसा चुका रहे हैं। दूसरा फायदा यह होगा कि असाधारण परिस्थितियों में सरकार हस्तक्षेप कर सकेगी। नियम 192 के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया है कि यदि कोई असाधारण स्थिति उत्पन्न होती है और जनहित में हस्तक्षेप करना आवश्यक हो जाता है, तब केंद्र सरकार विमानन कंपनियों को किराये के संबंध में लिखित निर्देश जारी कर सकती है। हालांकि, सामान्य दिनों में वे अपनी परिचालन लागत के आधार पर कीमतें तय करने को स्वतंत्र होंगी, परंतु संकट या त्योहारों के समय बेलगाम मूल्य-वृद्धि पर लगाम लगाने के लिए सरकार के पास विधिक अधिकार होगा। इसी तरह, डीजीसीए की निगरानी भी कड़ी कर दी गई है। नागर विमानन महानिदेशालय अब विमानन कंपनियों द्वारा तय किए जाने वाले टैरिफ और शुल्कों की अधिक बारीकी से निगरानी करेगा, जिससे पारदर्शिता को बढ़ावा मिलेगा।

फिर भी, कुछ ऐसे काम शेष हैं, जिन पर यदि ध्यान दिया जाए, तो भारत में हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाया जा सकेगा। पहला, 'एविएशन टर्बाइन फ्यूल' (एटीएफ) पर तर्कसंगत कर लगना चाहिए। दरअसल, विमानन कंपनियां कुल परिचालन लागत का लगभग 35 से 40 फीसदी हिस्सा विमान ईंधन पर खर्च करती हैं। भारत में एटीएफ पर लगने वाले केंद्रीय और राज्य कर दुनिया के कई अन्य देशों की तुलना में काफी अधिक हैं। यदि सरकार एटीएफ को 'वस्तु एवं सेवा कर' के दायरे में ले आए, तो इससे लागत में भारी कमी आएगी, जिसका सीधा लाभ घटे हुए किराये के रूप में यात्रियों को मिल सकेगा।

त्योहारी मौसम या आपातकालीन परिस्थितियों में किराये में इस सीमा से अधिक वृद्धि नहीं होनी चाहिए। रेलवे की 'फ्लेक्सी-फेयर' व्यवस्था ऐसी ही एक पहल है। तीसरा काम है, टियर-2 और टियर-3 शहरों में बुनियादी ढांचे का विस्तार। 'उड़ान' जैसी क्षेत्रीय संपर्क योजनाओं को और गति देने की आवश्यकता है। जब छोटे शहरों और हवाई अड्डों पर विमानन कंपनियों को रियायतें मिलेंगी, तब छोटे मार्गों पर भी प्रतियोगिता बढ़ेगी और किराये स्वत: किफायती होंगे। इसी तरह, सामान और अन्य अतिरिक्त सेवाओं के शुल्क पर भी नियमन होना चाहिए। यात्रियों से केबिन या चेक-इन बैगेज के नाम पर वसूले जाने वाले भारी अतिरिक्त शुल्क पर लगाम लगनी चाहिए। इकोनॉमी क्लास में एक तय सीमा (जैसे, 15 से 25 किलो) तक का बैगेज शुल्क टिकट मूल्य में ही शामिल होना चाहिए। साफ है, भारतीय वायुयान नियम, 2026 यात्री हितों में उठाया गया एक प्रशंसनीय कदम है, पर विमानन क्षेत्र को किफायती और व्यापक मध्यम वर्ग तक पहुंचाने के लिए कुछ अन्य काम भी करने होंगे। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां स्पष्ट करती हैं कि केवल तकनीकी नियमों से बाजार के वर्चस्व को पूरी तरह नहीं रोका जा सकता। इसलिए जब तक सरकार विमान ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करने, करों को युक्तिसंगत बनाने और विमान सेवाओं की मूल्य-निर्धारण प्रणाली पर एक प्रभावी विनियामक की स्थापना नहीं करती, तब तक आम भारतीय के लिए न तो 'आकाश की सैर', न ही 'उड़े देश का आम नागरिक' जैसे नारे सफल हो सकेंगे। विमाननउद्योग के आधुनिकीकरण और यात्री हितों की रक्षा की दिशा में सरकार ने एक जरूरी कदम उठाया है। भारतीय वायुयान नियम, 2026 आगामी 1 जनवरी से लागू हो जाएगा और इसके साथ ही करीब नौ दशक से चल रहा 'विमान नियम 1937' इतिहास के पन्नों में सिमट जाएगा। नए नियमों के तहत हवाई किराया तय करने में पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है और यह व्यवस्था की गई है कि असाधारण परिस्थिति पैदा होने पर केंद्र सरकार स्वत: हस्तक्षेप करते हुए जनहित में विमानन कंपनियों को निर्देश जारी कर सकती है।

जाहिर है, हवाई मुसाफिरों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि के साथ-साथ जब आसमान छूते किराये और यात्रियों की जेब पर भारी पड़ते अतिरिक्त शुल्क आम बहस का केंद्र बन चुके हों, तब ऐसे प्रयास अनिवार्य हो चले थे। विशेष अवसरों पर हवाई किराये में अप्रत्याशित वृद्धि पर कई बार सवाल उठ चुके हैं। अभी दीवाली और छठ के दौरान ही हवाई किराये में 700 प्रतिशत तक की अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्रोत्साहन राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान से सरकारी स्कूलों में 5 साल बाद बढ़ा रिकॉर्ड नामांकन

एसीएस राजेश यादव के दिशा-निर्देशन में सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मिल रही नई गति

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रभावी मॉनिटरिंग में प्रदेश में नवाचार और परिणाम आधारित प्रयासों को नई गति मिल रही है। उनके निर्देशानुसार 'स्टार टीचर' पहल के माध्यम से उत्कृष्ट शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, वहीं 'राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान' से प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इन समन्वित प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सरकारी विद्यालयों में पांच साल बाद नामांकन में हुई ऐतिहासिक वृद्धि के रूप में सामने आया है।

उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मान के लिए 'स्टार टीचर' पहल की शुरुआत-

सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक परिणाम देने वाले तथा शिक्षण की प्रभावी एवं नवाचारी विधियों को अपनाने वाले शिक्षकों को पहचान और प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग ने अक्टूबर माह में 'स्टार टीचर' पहल शुरू की है। इस पहल के तहत 26 अक्टूबर को जारी पहली सूची में प्रदेश के आठ सरकारी विद्यालयों के 15 शिक्षकों को राजस्थान के पहले 'स्टार टीचर' के रूप में चयनित किया गया है।

इस पहल का मूल्यांकन दो प्रमुख आधारों पर किया गया है -

CBA परिणाम (11 शिक्षक): प्रत्येक संभाग के मार्च 2026 के कॉम्पिटेंसी बेस्ड असेसमेंट परिणामों के आधार पर सर्वोच्च रैंक प्राप्त करने वाले विद्यालयों के 11 शिक्षकों का चयन किया गया, जिन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सराहनीय योगदान दिया।

नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ (4 शिक्षक): कक्षा-कक्ष में कठिन अवधारणाओं को सरलता से समझाने, शैक्षणिक खेलों एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री (TLM) के रचनात्मक उपयोग पर आधारित संक्षिप्त वीडियो के आधार पर 4 शिक्षकों का चयन किया गया। वीडियो का मूल्यांकन 4 निर्धारित मापदंडों (कुल 20 अंक) के आधार पर पारदर्शी रूप से किया गया। चयनित सभी शिक्षकों को शिक्षक ऐप पर डिजिटल प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं, जबकि उनकी सूची शाला दर्पण पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। यह प्रक्रिया अब प्रत्येक माह नियमित रूप से संचालित की जाएगी।



राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान': हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ने का संकल्प-

शिक्षा से वंचित हर बच्चे को स्कूल में प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा 'राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान' दो चरणों में शुरू किया गया है। अभियान के तहत प्रत्येक प्रधानाचार्य द्वारा एक शिक्षक को एक बच्चे की जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, जो बच्चे के परिवार से संपर्क कर नामांकन सुनिश्चित करेंगे। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी शाला दर्पण पोर्टल और डैशबोर्ड के माध्यम से की जा रही है। अभियान की प्रभावी निगरानी के लिए ष्टक्कश्वह्र स्तर पर हर 15 दिन में समीक्षा, ष्ठष्ठश्वह्र द्वारा प्रगति पर नज़र, तथा जिला कलेक्टर द्वारा प्रति माह समीक्षा की जा रही है। अभियान में बालिकाओं, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों, प्रवासी, बाल श्रमिक, आदिवासी एवं घुमंतू समुदाय के बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

5 साल बाद नामांकन में ऐतिहासिक वृद्धि और बेटियों का बढ़ता भरोसा-

राजस्थान शिक्षा सेतु अभियान और विभागीय प्रयासों के परिणामस्वरूप प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में पाँच साल बाद पहली बार नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है -

कुल नामांकन में वृद्धि: जुलाई 2026 तक सरकारी विद्यालयों में कुल नामांकन बढ़कर 72,98,854 हो गया है, जो कि वर्ष 2025-26 के नामांकन (72,50,496) की तुलना में 48,358 अधिक है। बालिकाओं का दबदबा: कुल नामांकन में 53.3 प्रतिशत (38,92,355) बालिकाएँ और 46.7 प्रतिशत (34,06,486) बालक हैं।

इस वर्ष सरकारी स्कूलों में बालिकाओं का नामांकन बालकों से लगभग 4.86 लाख अधिक रहा है। वर्तमान में प्रत्येक 1,000 बालकों पर 1,143 बालिकाएँ नामांकित हैं, जो बालिका शिक्षा के प्रति समाज के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। जिलेवार स्थिति: बांसवाड़ा (11,939), उदयपुर (9,448), बाड़मेर (5,937), जालोर (5,485) और सिरोही (4,295) में नामांकन में भारी वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि जिन जिलों में नामांकन में कमी आई है, वहाँ ड्रॉपआउट रोकने हेतु विशेष समीक्षा की जा रही है। शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने और हर बच्चे तक शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करने की यह दोहरी रणनीति मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को अधिक परिणामोन्मुखी, समावेशी और सुदृढ़ बना रही है।

शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान, जयपुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

2,960 किलो सूजी, मैदा और बेसन सीज, 25 किलो खराब सामग्री नष्ट करवाई एक दिन में चार प्रतिष्ठानों की जांच, खाद्य पदार्थों के 7 नमूने लिए

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन तथा प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड़ के निर्देशन में प्रदेश में 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई जारी है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण अविचल चतुर्वेदी के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के मार्गदर्शन एवं संयुक्त आयुक्त वी.पी. शर्मा की निगरानी में केंद्रीय खाद्य सुरक्षा दल ने जयपुर में एक ही दिन में चार प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 7 नमूने लिए गए, करीब 2,960 किलो खाद्य सामग्री सीज की गई और 25 किलो अखाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई।

महेश्वरी फूड प्रोडक्ट्स का लाइसेंस में दर्ज पता मिला बंद

खाद्य सुरक्षा दल ने मैसर्स महेश्वरी फूड प्रोडक्ट्स के सरना डूंगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित लाइसेंस में दर्ज पते पर जांच की तो वहां प्रतिष्ठान बंद मिला। फोन पर जानकारी करने पर पता चला कि फर्म ने करीब 6 महीने पहले बिना विभाग को सूचना दिए अपना कारोबार दूसरी जगह शुरू कर दिया था। इसके बाद टीम ने वीकेआई स्थित फर्म की दूसरी इकाई की भी जांच की। यह इकाई खाद्य लाइसेंस में दर्ज नहीं थी। जांच के दौरान वहां साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कई कमियां मिलीं। टीम ने मौके से करीब 2,960 किलो सूजी, मैदा और बेसन सीज किया। साथ ही जांच के लिए खाद्य पदार्थों के 3 नमूने लिए। टीम ने मैसर्स लक्ष्मी बेकर्स की निर्माण इकाई की भी जांच की। यहां साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कई कमियां मिलीं। टीम ने नानखताई बिस्किट और सुमन गोल्ड ब्रांड वनस्पति के एक-एक नमूने सहित कुल 2 नमूने जांच के लिए लिए।



रिद्धि सिद्धि स्वीट्स और दूध मिष्ठान भंडार की भी जांच- खाद्य सुरक्षा दल ने गोपालपुरा स्थित मैसर्स रिद्धि सिद्धि स्वीट्स और सहकार मार्ग स्थित मैसर्स दूध मिष्ठान भंडार का भी निरीक्षण किया। दोनों प्रतिष्ठानों से मावा मिठाई के एक-एक नमूने जांच के लिए लिए गए। रिद्धि सिद्धि स्वीट्स से करीब 25 किलो अखाद्य सामग्री भी नष्ट करवाई गई।जांच के दौरान चारों प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी कमियां मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के तहत सुधार नोटिस जारी किए जाएंगे। इन नोटिस के जरिए प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने और खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए जाएंगे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि वे खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण और बिक्री के दौरान साफ-सफाई एवं सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें। झआमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए विभाग की जांच और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

खूबसूरत यादों और सुनहरे पलों के साथ विदा हुआ राजीविका दिवाली मेला-2026

जयपुर (कासं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) की ओर से इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान (आईजीपीआरएस) परिसर में आयोजित आठ दिवसीय राजीविका दिवाली मेला-2026 यादगार पलों के साथ संपन्न हुआ। मेले के आठों दिन ग्रामीण महिला उद्यमियों के हुनर, मेहनत और उद्यमशीलता को आगंतुकों का भरपूर प्यार मिला। अंतिम दिन भी खरीदारों और फूड लवर्स की भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने जमकर खरीदारी के साथ राजस्थानी व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

प्रतिभागियों को किया सम्मानित

मेले में राजीविका की परियोजना निदेशक (प्रशासन) श्रीमती प्रीति सिंह ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बिक्री और प्रदर्शन के आधार पर टॉप 3 दीदियों को अवार्ड देकर उनका हौसला बढ़ाया।

रोशनी में नहाया मेला परिसर

रात की रोशनी में जगमगाता मेला परिसर आकर्षण का केंद्र बना रहा। मेले में 100 से अधिक स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यमियों ने अपने उत्पादों के माध्यम से ग्रामीण राजस्थान की कला, संस्कृति और पारंपरिक हुनर को प्रदर्शित किया। हस्तनिर्मित अचार-पापड़, पारंपरिक खाद्य सामग्री, लेदर की जूतियां, सजावटी वस्तुएं और घरेलू उपयोग के उत्पादों को खरीदारों ने खूब पसंद किया। फूड स्टॉल्स पर राजस्थानी थाली सहित विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों और स्थानीय जायकों का स्वाद लेने के लिए भी लोगों की भीड़ लगी रही।



कोटा डोरिया और मोडाल सिल्क की रही खास मांग

मेले में राजस्थान की विश्वविख्यात कोटा डोरिया साड़ियों और परिधानों ने विशेष आकर्षण बटोरा। अजरख प्रिंट, मोडाल सिल्क और बगरू प्रिंट के कपड़ों को भी आगंतुकों ने खूब पसंद किया। वहीं, पारंपरिक बंधेज की साड़ियों और सूट की भी अच्छी मांग रही। इन उत्पादों के माध्यम से महिला उद्यमियों ने राजस्थान की समृद्ध वस्त्र परंपरा और हस्तशिल्प कला को नई पहचान दी।

टेराकोटा, ब्लू और ब्लैक पॉटरी ने खींचा ध्यान

दीपावली सजावटी सामग्री के साथ टेराकोटा, मीनाकारी और कशीदाकारी के हस्तनिर्मित उत्पाद भी खरीदारों की पसंद बने।

जयपुर की प्रसिद्ध ब्लू पॉटरी और सवाई माधोपुर की विशिष्ट ब्लैक पॉटरी ने अपनी अनूठी कलाकारी और आकर्षक डिजाइन से आगंतुकों का ध्यान खींचा। पारंपरिक हस्तशिल्प के साथ घर की सजावट और दैनिक उपयोग से जुड़े उत्पादों की भी अच्छी बिक्री हुई।

पपेट शो ने बांधा समां, संस्कृति और परंपरा से जुड़े आगंतुक

मेले के दौरान आयोजित पपेट शो ने बच्चों से लेकर बड़ों तक का मनोरंजन किया और दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। पारंपरिक कला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मेले के माहौल को और जीवंत बनाया। आठ दिनों तक चले इस आयोजन ने न केवल ग्रामीण महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री का मंच दिया, बल्कि उन्हें सीधे ग्राहकों से जुड़ने और अपने हुनर को व्यापक पहचान दिलाने का अवसर भी प्रदान किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने चौथे चरण के चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की

चौथे चरण में 4 पंचायत समितियों की 140 ग्राम पंचायतों के 446 मतदान केंद्रों पर होगा मतदान मतदान केंद्रों पर छाया, पेयजल, विद्युत, शौचालय एवं सुरक्षा सहित सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

जयपुर (कासं)। पंचायती राज आम चुनाव के चतुर्थ चरण के अंतर्गत होने वाली मतदान प्रक्रिया को निष्पक्षता, स्वतंत्रता एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के संबंध में समस्त चुनाव प्रकोष्ठ प्रभारियों की बैठक जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पंचायती राज चुनाव मतदान के चौथे चरण के अंतर्गत बस्सी, तूंगा, जमवारामगढ़, आंधी पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद् सदस्यों एवं पंच-सरपंच के चुनावों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी प्रकोष्ठ प्रभारियों एवं ईआरओ को मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ यथा- छाया, पानी, विद्युत, सुरक्षा, स्वच्छ पेयजल, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित् करने के निर्देश दिए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी चुनाव कार्मिकों को दीपोत्सव की शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा कि पंचायत चुनाव के तीन



चरणों को जिस प्रकार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाया है उसी प्रकार चौथे चरण की मतदान प्रक्रिया को भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराए। उन्होंने दीपावली पर्व से पूर्व चौथे चरण की सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए हैं। उन्होंने बताया कि चौथे चरण की चार पंचायत समितियों की कुल 140 ग्राम पंचायतों में निर्वाचन के लिए 446 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। पंचायत समिति बस्सी की 42 ग्राम पंचायतों में 145 मतदान केंद्रों के लिए 351 बैलेट यूनिट एवं 351 कंट्रोल यूनिट, तूंगा की 24 ग्राम पंचायतों में 74 मतदान केंद्रों के लिए 183 बैलेट यूनिट एवं 183 कंट्रोल यूनिट, जमवारामगढ़ की 42 ग्राम पंचायतों में 129 मतदान केंद्रों के लिए 313 बैलेट यूनिट एवं 313 कंट्रोल यूनिट तथा आंधी की 32 ग्राम पंचायतों में 98 मतदान केंद्रों के लिए 239 बैलेट यूनिट एवं 239 कंट्रोल यूनिट की व्यवस्था की गई है। इस प्रकार चौथे चरण के लिए कुल 1,086 बैलेट यूनिट एवं 1,086 कंट्रोल यूनिट की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त 194 रिजर्व बैलेट यूनिट एवं 194 रिजर्व कंट्रोल यूनिट भी रखी गई हैं। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर प्रथम राजीव द्विवेदी, अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर पूर्व नरेंद्र कुमार वर्मा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज सिंह मीणा, अतिरिक्त जिला कलक्टर तृतीय देवयानी, डीएसओ प्रियव्रत सिंह सहित विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जीवन में सफलता

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता की जीवन में सफलता पाने के लिए एक बेहद जीवन में किसी मुकाम पर पहुंच चुके हर एक व्यक्ति में आपको दिख जाएगी , फिर चाहे वो कोई आपके पड़ोस का कोई व्यक्ति , या आपको पढ़ाने वाला शिक्षक । आत्मविश्वास एक ऐसा गुण है जो हर किसी में होता है , किसी में कम तो किसी में ज्यादा । पर इस बात की है कि अपने नीपीन ककको बढ़ा कर एक नए और बेहतर नीपीन तक ले जाया जाये । और आज छणभ पर मैं आपके साथ कुछ ऐसी ही बातें करूँगा जो आपके आत्म-विश्वास को बढाने में मददगार हो सकती हैं : आप किस तरह से गीजिज~ होते हैं इसका असर आपके पर पड़ता है । ये बता दूँ कि यहाँ मैं अपने जैसे आम लोगों की बात कर रहा हूँ , झुचसै फैमींचहचहग और षचरचासच क्षचहगरै जैसे महापुरुषों का इससे कोई लेना देना नहीं है , और यदि आप इस बचीर्यअि में आते हैं तो आपका भी मैंने खुद इस बात को क्वीन किया है , जब मैं अपनी मीजा होता हूँ तो बढ़ जाता है , इसीलिए जब कभी कोई ॅीजीहार्चोह या ैहीपिीु होता है तो मैं बहुत अच्छे से तैयार होता हूँ । दरअसल अच्छा दिखना आपको लोगों को क्वबी करने का बंहक्वैगीहबी देता है और उसके उलट होने पे आप बहुत रहते हैं । मैंने कहीं एक नैही पढ़ी थी , आप कपड़ों पे जितना खर्च करते हैं उतना ही करें , लेकिन जितनी कपडे खरीदते हैं उसके आधे ही खरीदें । आप भी इसे अपना सकते हैं ।

हमारे देश में अंग्रेजी का वर्चस्व है . मैं भी अंग्रेजी का ज्ञान आवश्यक मानता हूँ ,पर सिर्फ इसलिए क्योंकि इसके ज्ञान से आप कई अच्छी पुस्तकें , ब्लॉग पढ़ सकते हैं , आप एक से बढक़र एक इत्यादि देख सकते हैं . पर क्या इस भाषा का ज्ञान होने के लिए आवश्यक है , नहीं . जानना आपको और भी बना सकता है पर ये होने के लिए ज़रूरी नहीं है . किसी भी भाषा का मकसद शब्दों में अपने विचारों को व्यक्त करना होता है , और अगर आप यही काम किसी और भाषा में कर सकते हैं तो आपके लिए अंग्रेजी जानने की बाध्यता नहीं है .

मैं गोरखपुर से हूँ , वहां के संसद योगी आदित्य नाथ को मैंने कभी अंग्रेजी में बोलते नहीं सुना है , पर उनके जैसा आत्मविश्वास से लबरेज़ नेता भी कम ही देखा है . इसी तरह मायावती , और मुलायम सिंह जैसे नेताओं में आत्मविश्वास कूट -कूट कर भरा है पर वो हमेशा हिंदी भाषा का ही प्रयोग करते हैं . दोस्तों, कुछ जगहों पर जैसे कि में अंग्रेजी का ज्ञान आपके चयन के लिए ज़रूरी हो सकता है , पर आप बिना डहयनैजर जाने भी दुनिया के सबसे बंहक्वैगीहा व्यक्ति बन सकते हैं .

कुछ लोग किसी ख़ास वजह से नहीं करते हैं . जैसे कि कुछ लोगों में होता है तो कोई जीट के सामने हो जाता है . यदि आप भी ऐसे किसी को क्वबी कर रहे हैं तो इसे मीचा करिए . और मीचा करने का सबसे अच्छा तरीका है कि जो आपको करती है उसे इतनी बार कीजिये कि वो आप ताकत बन जाये . यकीन जानिए आपके इस प्रयास को भले ही शुरू में कुछ लोग नैयरानअ लें और शायद मज़ाक भी उडाएं पर जब आप लगातार अपने में लगे रहेंगे तो वही लोग एक दिन आपके लिए खड़े होकर ताली बजायेंगे . गाँधी जी की कही एक नैही मुझे हमेशा से बहुत प्रेरित करती रही है पहले वो आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर वो आप पर हँसेंगे, फिर वो आप से लड़ेंगे, और तब आप जीत जायेंगे. ।

लड़कियों का.... ब्रेकअप



एक अच्छे रिश्ते की शुरुआत आपसी तालमेल और समझदारी पर ही टिकी होती है। जलन-ईर्ष्या और अपने साथी से जरूरत से ज्यादा उम्मीदें रखना आपके रिश्ते को खराब ही करती हैं। अगर यहीं चीजें जरूरत से ज्यादा बढ जाए तो रिलेशनशिप का अंत होना तय ही हो जाता है। किसी भी रिश्ते के टूटने की वजह पार्टनर में विश्वास की कमी होती है लेकिन इन वजहों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

आज हम बात की लडकियों की ही आदतों की करते हैं, जिनकी वजह से ब्रेकअप होता है हालांकि इसके बारे में खुद उन्हें भी नहीं पता होता और जब उन्हें इस बात की समझ होती हैं तब तक बहुत देर हो चुकी होती है।

उन्हें बदलने की कोशिश

अगर आप उनको बदलना ही चाहती हैं तो आपने उनसे प्यार कैसे किया। इस बात को अच्छी तरह से समझ ले कि उन्हें बिलकुल पसंद नहीं है कि कोई उन्हें अपने हिसाब से ढाल ले। वह अपनी आदतों को बदलना नहीं चाहते। पार्टनर में आपसी विश्वास की डोर होना बहुत जरूरी है। अगर आप उन्हें शक की निगाह से देखती है बार बार उनका फोन चेक करती है। फेसबुक पर उनकी पोस्ट्स के अलग मतलब निकालती है तो आपके रिलेशन में दरार आना तय है। आपकी इन बातों से पता चलता है कि आप कितनी इनसिक्योर हैं और आपमें रिश्ते संभालने की समझदारी नहीं है।

सोशल लाइफ खत्म कर देना

शादी के बाद लडकियां ज्यादातर दोस्तों से किनारा कर लेती हैं। वह सिर्फ पार्टनर के बारे में ही सोचती है। फिर थोडी देर में ही मेसेज और कॉल की उम्मीद करती हैं जब पार्टनर से किसी तरह का रिस्पान्स नहीं आता तो वह जल्दी ही परेशान हो जाती हैं। से में उन्हें अपना सर्कल मेंटेन की करने की जरूरत है। इस तरह से आपकी दिलचस्पी भी बरकरार रहेगी और आप बिजी भी रहेगी।

हमेशा मुंह बनाए रखना

आप उनकी छोटी छोटी बातों को नजरअंदाज नहीं कर पाती हैं और उन्हें बात बात पर ताना देती रहती हैं। अगर वह कुछ नया भी करते हैं तो तारीफ करने की बजाए पुरानी बातों पर मुंह फुला लेती हैं। अब आप ही सोचें कि इस पर उनको कैसा लगता होगा। अपनी तारीफ सुनना सभी को पसंद होता है और इससे रिलेशन में मिठास भी रहती है। लिहाजा उनकी कमियों को गिनते रहने की बजाए उसके अच्छे प्रयासों को दिल से स्वीकारें और इसके लिए तारीफ भी करें।

जेंडर का अंतर नहीं समझतीं

आपने किसी खास मौके के लिए कोई स्पेशल प्लानिंग की थी लेकिन समझ न पाने की वजह से उन्होंने आपका साथ नहीं दिया। आपको उम्मीद थी कि आपके बनाए खाने पर उनकी ओर से कोई खास रिएक्शन आएगा लेकिन सा नहीं हुआ। इससे आपका मूड ऑफ और झगडा शुरू.. हालांकि उसे यह समझ में नहीं आएगा कि गड़बड़ कहां है।

अनोखे कदम



दूसरी महिला से प्रेम का चक्कर चलाने को उत्सुक पति का व्यवहार बदले बिना नहीं रह सकता। उस पर मानसिक व भावनात्मक दबाव बहुत ज्यादा रहता है। चूंकि वह जीवनसंगिनी को धोखा देने की राह पर कदम बढा रहा है तो कभी नए नए रोमांस की उत्तेजना जकडेगी तो कभी पत्नी को छलने का अपराधबोध। वह इस अफेयर को छिपाकर रखना चाहता है,उसे अपनी बदनामी का डर सताता है।

घर से बाहर लिफ्ट मिलते ही पुरुषों को फिसलते देर नहीं लगती पर वह फिसलन अपने साथ कुछ निशान भी छोड जाती है जिस से पत्नियों को सजग हो जाना चाहिए। किसी भी महिला के पति को इश्क का रोग लग जाना कोई छोटी-मोटी घटना नहीं, इस रोग का गंभीर रूप उन के बीच तलाक तक का कारण भी बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि पत्नी इस रोग के लक्षणों को तभी पहचाने जब उसके पति के कदम ताजाताजा भटकने आरंभ ही हुए हों। तब तो ये लक्षण ही उसे चेता सकेंगे। दूसरी महिला से प्रेम का चक्कर चलाने को उत्सुक पति का व्यवहार बदले बिना नहीं रह सकता। चूंकि वह जीवनसंगिनी को धोखा देने की राह पर कदम बढा रहा है तो कभी नए नए रोमांस की उत्तेजना जकडेगी तो कभी पत्नी को छलने का अपराधबोध। वह इस अफेयर को छिपाकर रखना चाहता है,उसे अपनी बदनामी का डर सताता है, दो नावों की सवारी करने की टेंशन, चिढ़ और गुस्सा उसे जकड़ते हैं, उसे प्रेमिका की नजरों में अपनी छवि सुधारनी है,उस का दिल जीतना है,उससे मिलने का समय निकालना है तो ये सारी बातें उसके लिए बडी समस्या बन जाती हैं। पतिदेव की आय सीमित हो तो आर्थिक कठिनाइयां तंग करेंगी क्योंकि इश्क लडाना खर्चीला सौदा है। पति में आ रहे से सारे बदलावों को वह पत्नी जरूर पकड लेगी जो सी किसी अनहोनी आशंका के प्रति पहले से सजग हो। पति के दिलफेंक स्वभाव की पहचान उसे चौकन्न रखने मे सहायक सिद्ध होगी।

क्वालिटी टाइम से बच्चों को दें

अपना साथ

आज की बिजी लाइफस्टाइल में माता-पिता के पास इतना समय भी नहीं होता कि वह अपने बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा टाइम रह पाएं, लेकिन आप चाहेंतो कुछ बातों का ख्याल रख अपने अपने बच्चों के सकारात्मक विकास में सहायक बन सकते हैं।



जिन फैमिली में खाना साथ होता है, वे साथ रहते हैं, सुनिश्चित कीजिए कि हमेशा खाना साथ अगर यह सम्भव ना हो तो कम से कम हरेक रात का खाना तो साथ जरूर खाएं। इससे आपको बच्चों के साथ जुडने का मौका मिलेगा। खाने का समय परिवार के लिए जुडने का समय होता है। बातचीत हल्की और मजेदार रखिए। यह तरीकें, मूल्य, स्वस्थ लाइफस्टाइल, पारिवारिक पाक विधियों और परंपरा आदि के बारे में बताने के लिहाज से भी अच्छा समय होता है।

बच्चों का स्कूल होमवर्क में उसकी हैल्प करें और टाइम गुजारें। इससे आपक उनकी पढाई की गतिविधि से भी जुडी रहेंगे और बच्चो की दिलचस्पी बनाने में सहायता मिलेगी। पढाई में स्कूल के प्रति उनकी सोच भी बेहतर होगी। इसके अलावा इससे उसका आत्मविश्वास और नैतिक बल बढेगा।

आपके बच्चो को कौन से खेल सबसे ज्यादा पसंद हैं यह पता कीजिए। उसके साथ वीडियों गेम, बोर्ड गेम और पजल आदि खेलने का समय निश्चित कीजिए।

बच्चों के साथ नियमित रूप से चिडिया घर संग्रहालय, पार्क, पुस्तकालय और दूसरी जगहें घूमने जाइए। बाहर निकलने की योजना बनाने में अपने बच्चो को भी शामिल कीजिए। बच्चों के अगर लगता है कि वे योजना बनाने के हिस्सा हैं तो वे खुद को महत्वपूर्ण तो समझते ही हैं लेकिन कोशिश करते हैं कि इसे सफल बनाएं। साथ-साथ एक सी परियोजना शुरू कीजिए जो आप अपने बच्चो के साथ करसकती हैं। एक साथ काम कीजिए और एक ही साथ खत्म कीजिए। गुडिया का घर या पक्षी का घोंसला बनाने पर विचार कीजिए।

परियोजना का चुनाव करते समय अपने बच्चो को दिलचस्पी, आयु ध्यान देने की क्षमता और कौशल का ध्यान जरूर रखिए। सुनिश्चित कीजिए कि आप जो क्वालिटी टाइम प्लान करें, वह नियतिम रूप से सम्पन्न हो। एक साप्ताहिक फैमिली नाइट की योजना बनाइए। यह सप्ताह में एक बार शाम में पूरे परिवार के लिए अर्थपूर्ण महसूस करने जैसा कुछ हो सकता है।

मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर किया दीपावली रोशनी का शुभारंभ, जगमगाया जयपुर का परकोटा





जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जयपुर के एम.आई. रोड पहुंचे, जहां उन्होंने बटन दबाकर दीपावली रोशनी का शुभारंभ किया।

रोशनी शुरू होते ही जयपुर का ऐतिहासिक परकोटा जगमगा उठा और शहर में दीपावली का उत्सवी माहौल छा गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद आमजन का अभिवादन स्वीकार किया और सभी को दीपावली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, एम.आई. रोड व्यापार मंडल के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के साथ लोगों ने दीपावली की खुशियां साझा कीं।

राज्य सरकार की तीसरी वर्षगांठ पर जयपुर में होगा भव्य आयोजन

बेहतर समन्वय स्थापित कर विभाग समय पर तैयारियां करें पूरी- मुख्यमंत्री

- आमजन की अधिक से अधिक भागीदारी करें सुनिश्चित
- उपलब्धियों पर आयोजित हों रोचक गतिविधियां
- विकास की तेज गति और हमारी नीति से युवाओं को कराएं रूबरू

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने युवा, महिला, किसान और गरीब के कल्याण और प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। आगामी समय में भी विकास की इस निरंतरता को बनाए रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-विकसित राजस्थान के विजन के अनुरूप कार्य किया जाएगा। इस विजन को राज्य सरकार अपनी तीसरी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जयपुर में भव्य आयोजन कर जनता के सामने रखेगी। मुख्यमंत्री ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, पर्यावरण, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में राज्य सरकार ने गत तीन वर्षों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। मुख्यमंत्री विकसित ग्राम शहरी वार्ड अभियान के माध्यम से वर्ष 2047 तक गांव और शहरों के समग्र विकास का ब्लूप्रिंट तैयार किया है। आज हमारा प्रदेश 30 योजनाओं में अग्रणी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के दौरान इन सभी उपलब्धियों को दर्शाते हुए विकास की तेज गति और हमारी नीतियों को आमजन तक अधिक से अधिक पहुंचाने की रूपरेखा तैयार की जाए। महाराणा प्रताप, महाराजा सूरजमल, मां अमृता देवी और मीराबाई जैसी विभूतियों के इतिहास से युवाओं को रूबरू कराते हुए प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नवीन तकनीकों का समावेश कर युवाओं के लिए रोचक गतिविधियों का आयोजन किया जाए। आगंतुकों को राजस्थान में हो



रहे बदलाव और भविष्य की झलक दिखाई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया कि सभी विभाग बेहतर समन्वय स्थापित कर सभी तैयारियां समय पर सुनिश्चित करें ताकि कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं भव्य बनाया जा सके। विभिन्न जिलों में भी वर्षगांठ से संबंधित गतिविधियों की कार्ययोजना बनाएं। साथ ही, आगंतुकों के लिए बेहतरीन व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने मुख्य सचिव को कार्यक्रम की तैयारियों की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री का डूंगरपुर दौरा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किए अंधेरी माता के दर्शन

विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली के लिए की कामना

डूंगरपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को डूंगरपुर के विराट स्थित अंधेरी माता मन्दिर में दर्शन किए। उन्होंने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की। इससे पहले मुख्यमंत्री के पहुंचने पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, विधायक शंकर लाल डेचा, श्रीचंद कृपलानी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने हैलीपेड पर स्वागत किया।



न्यूज इनबॉक्स

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत जयपुर में पदयात्रा आज

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता होंगे शामिल

जयपुर (कासं)। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के प्रदेश संयोजक रामलाल शर्मा ने बताया कि देश में विपक्ष की ओर से एसआईआर, वोट चोरी के नाम पर लगातार जनता को गुमराह किया जा रहा है। ऐसे में भाजपा गुरुवार को जयपुर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत पदयात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा प्रदेश प्रभारी एवं सांसद संजय भाटिया, संगठन महामंत्री अजेय कुमार तथा जयपुर सांसद मंजू शर्मा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। भाजपा मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने बताया कि पदयात्रा गुरुवार सुबह 11 बजे रामलीला मैदान से प्रारंभ होगी। यहां से पदयात्रा चौड़ा रास्ता होते हुए त्रिपोलिया गेट तक पहुंचेगी। पदयात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की सहभागिता रहेगी। उन्होंने बताया कि 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा अराजकता के विरुद्ध जनजागरण का संदेश दिया जाएगा। पदयात्रा में भाजपा प्रदेश पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए कुल 328 अभ्यर्थियों ने दाखिल किए नामांकन

जयपुर (कासं)। पंचायतीराज आम चुनाव के चौथे चरण के तहत जयपुर जिले की चार पंचायत समितियों में पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए अब तक कुल 355 नामांकन पत्र दाखिल किए गए हैं। इन नामांकन पत्रों के माध्यम से कुल 328 अभ्यर्थियों ने नामांकन प्रस्तुत किए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने नामांकन पत्रों की जानकारी देते हुए बताया कि पंचायत समिति क्षेत्र आंधी के 19 वार्डों के लिए अब तक 71 नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं, जिनमें 67 अभ्यर्थी शामिल हैं। बस्सी के 25 वार्डों के लिए 112 नामांकन पत्र दाखिल हुए तथा 106 अभ्यर्थियों ने नामांकन किया है। जमवारामगढ़ के 23 वार्डों के लिए 96 नामांकन पत्र दाखिल हुए, जिनमें 87 अभ्यर्थी शामिल हैं। वहीं तूंगा के 15 वार्डों के लिए 76 नामांकन पत्र दाखिल हुए तथा 68 अभ्यर्थियों ने नामांकन प्रस्तुत किए हैं। दिनवार हुए नामांकन की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को 5 नामांकन पत्र दाखिल हुए, जिनमें 4 अभ्यर्थी शामिल थे। 2 नवंबर को 51 नामांकन पत्र दाखिल हुए तथा 49 अभ्यर्थियों ने नामांकन किया। 3 नवंबर को 63 नामांकन पत्र दाखिल हुए, जिनमें 62 अभ्यर्थी शामिल थे। वहीं 4 नवंबर को एक ही दिन में सर्वाधिक 236 नामांकन पत्र दाखिल हुए तथा 213 अभ्यर्थियों ने नामांकन प्रस्तुत किए।

महापौर कोठारी ने भुवनेश्वर से पधारे हुए सात सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल से की मुलाकात

जयपुर (कासं)। नगर निगम महापौर सुनील कोठारी से बुधवार को नगर निगम मुख्यालय पर भुवनेश्वर से आये हुए सात सदस्यीय उपमहापौर सहित पार्षद प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की इस अवसर पर महापौर सुनील कोठारी ने प्रतिनिधिमण्डल का स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर उप महापौर श्रीमती सरोज कवँर, अतिरिक्त आयुक्त नरेद्र कुमार बंसल, वित्तीय सलाहकार, उपायुक्त (स्वास्थ्य) ओम थानवी मौजूद रहे। प्रतिनिधिमण्डल ने भुवनेष्वर निगम की कार्य प्रणाली के बारे मे बताया साथ ही भुवनेष्वर निगम में काम मे आ रही चुनोतियों से भी अवगत कराया। महापौर सुनील कोठारी ने जयपुर नगर निगम के प्लान्ट, सेग्रीकेषन, सीवरेज, नगरीय विकास कर स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत किये जा रहे कार्यो, चलाये गये अभियानों से अवगत कराया।

मुख्य सचिव ने राज्य के एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपायों की समीक्षा की

सुप्रीम कोर्ट एवं वायु प्रबंधन गुणवत्ता आयोग- एनसीआर के आदेशों की अनुपालना में राज्य सरकार ने जारी किए प्रतिबंधात्मक निर्देश

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में बुधवार को राजस्थान के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपायों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए जारी दिशा-निर्देशों की पालना, निर्माण एवं विध्वंस गतिविधियों पर प्रतिबंध तथा आगामी दीपावली के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अनुपालना में ग्रीन पटाखों के उपयोग और विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने बैठक में आगामी दीपावली के मद्देनजर वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अनुपालना में जारी निर्देशों के अनुसार राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र में शामिल अलवर, भरतपुर, डीग, खैरथल-तिजारा एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिलों में केवल सीएसआईआर-नीरी द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों के उपयोग की अनुमति होगी। निर्धारित आदेश के अनुसार ग्रीन पटाखे केवल 7 एवं 8 नवंबर को प्रात: 6 से 7 बजे तथा रात्रि 8 से 10 बजे तक ही चलाए जा सकेंगे। इन दो दिनों की निर्धारित समयावधि के



अतिरिक्त पटाखे चलाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों तथा शैक्षणिक संस्थानों को शांत क्षेत्र एवं नो-क्रैकर जोन घोषित किया गया है। इन संस्थानों के 300 मीटर के दायरे में पटाखे चलाने की अनुमति नहीं होगी।

बैठक में बताया गया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी आदेश के क्रम में एनसीआर क्षेत्र में 5 से 20 नवंबर तक धूल उत्पन्न करने वाली विध्वंस एवं खुले में की जाने वाली निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र में शामिल जिलों में भी प्रभावी होगा। हालांकि रेलवे, मेट्रो सेवाओं, एयरपोर्ट, अंतरराज्यीय बस टर्मिनल, अस्पताल, जलापूर्ति एवं स्वच्छता, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को निर्धारित छूट प्रदान की गई है। यह प्रतिबंध हाईवे, सड़क, फ्लाईओवर, ओवरब्रिज, बिजली ट्रांसमिशन, पाइपलाइन एवं दूरसंचार जैसी रैखिक सार्वजनिक परियोजनाओं पर भी लागू होगा।

मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट (सीएंडडी वेस्ट) के प्रभावी प्रबंधन के लिए डैशबोर्ड के माध्यम से नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने रोड डस्ट के प्रभावी नियंत्रण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक प्रक्रियाओं में तेजी लाने को कहा। साथ ही, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने तथा इनका संचालन दो शिफ्टों में करने के निर्देश दिए, ताकि सड़कों की नियमित सफाई के माध्यम से धूल प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। मुख्य सचिव ने एनसीआर क्षेत्र में यातायात प्रबंधन से संबंधित कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव कम करने तथा आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने पेट्रोल पंपों पर ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) प्रणाली स्थापित करने के संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में बताया गया कि परिवहन विभाग द्वारा एनसीआर क्षेत्र में 'नो पीयूसीसी, नो फ्यूल' व्यवस्था के तहत वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र (पीयूसीसी) नहीं रखने वाले 5 हजार से अधिक वाहनों पर कार्यवाही की गई है। बैठक में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अपर्णा अरोड़ा,अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवासन विभाग आलोक गुप्ता, पुलिस महानिदेशक (यातायात) श्रीमती मालिनी अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव परिवहन विभाग भवानी सिंह देथा, प्रमुख शासन सचिव कृषि श्रीमती मंजू राजपाल, शासन सचिव पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग श्रीमती शैलजा देवल , सदस्य सचिवराजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल कपिल चंद्रवाल, निदेशक स्वायत्त शासन विभाग सहित विभिन्न संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष नहीं, उनकी हरकतें नेता प्रोपेगेंडा की: मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद मदन राठौड़ ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद से भागने वाला बहस की चुनौति देते हुए अच्छा नहीं लगता। राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी जब से नेता प्रतिपक्ष बने है, तब से ऐसा लगता है कि वो नेता प्रतिपक्ष नहीं, नेता प्रोपेगेंडा बने है। कभी वे कहते है कि संसद में बोलूंगा तो भूकंप आ जाएगा, तो कभी वे अनर्गल प्रलाप करने लग जाते है। राहुल गांधी का एक ही मकसद है सिर्फ झूठे आरोप लगाने और खबरों की सुर्खियों में बने रहना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि राहुल गांधी में अगर हिम्मत है, तो संसद में आकर बहस करें। भाजपा संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार हैं। फिर चाहे संसद में ईवीएम, एसआईआर या घुसपैठियों जैसे किसी भी मुद्दे पर सदन में आकर चर्चा करें, क्योंकि लोकतंत्र में जनता की आवाज उठाने का बेहतर मंच संसद ही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जैसे लोगों के लिए ही बाबा साहब ने भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि लोकतंत्र के फैसले संसद में ही होते है, जिस दिन सड़क पर फैसले लेने की बात आने लगेगी, तो लोकतंत्र नहीं अराजकता की स्थिति होगी। इसी अराजकता की स्थिति को रोकने के लिए भारतीय जनता पार्टी देशभर में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान चला रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आजादी के पहले चुनाव में अबुल कलाम आजाद को जिताने के लिए और बाबा साहब को हराने के लिए कांग्रेस ने जो औछे हथकंडे अपनाए, वो जगजाहिर है। बाबा साहब को हराने के लिए वैद्य मतों को खारिज करने वाली और अबुल कलाम के लिए विपक्ष के वोट खुद की पेटियों में डलवाने वाली कांग्रेस आज वोट चोरी की बात कर रही है, यह तो 'सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज को' की कहावत को चरितार्थ कर रही है। कांग्रेस का चरित्र रहा है झूठ बोलो और भाग जाओ।



कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग सम्भाग भरतपुर

क्रमांकः अमुअ/भरत/त.स./2026-27/डी-1373 दिनांकः 30/10/2026

संशोधन पत्र निविदा सूचना संख्या 17/2026-27

इस कार्यालय के पत्र क्रमांक एसीई/बीटीपी / निविदा/2026-27/डी-1270 दिनांक 12.10.2026 से जारी निविदा सूचना संख्या 17/2026-27 भरतपुर संभाग के अधीन जिला भरतपुर में सडक निर्माण कार्य के लिए, जो कि एसपीपी पोर्टल पर NIB NO. PWD2627A3294 से प्रकाशित हुई है, की तिथियों में निम्नानुसार संशोधन जारी किया जाता है जो वेबसाईट "www.eproc.rajasthan.gov.in" एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है।

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथियां	संशोधित तिथियां
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	दिनांक 14.10.2026 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 02.11.2026 सांय 06.00 बजे तक	दिनांक 14.10.2026 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 12.11.2026 सांय 06.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	दिनांक 14.10.2026 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 02.11.2026 सांय 06.00 बजे तक	दिनांक 14.10.2026 प्रातः 9.30 बजे से दिनांक 12.11.2026 सांय 06.00 बजे तक
प्री बिड मीटिंग की तारीख	23.10.2026 अपरान्ह 03.00 बजे संभाग कार्यालय भरतपुर में एवं प्रीबिड क्वेरिज ई-मेल पर acebtp@rediffmail.com भेजने की दिनांक 23.10.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक।	10.11.2026 अपरान्ह 03.00 बजे संभाग कार्यालय भरतपुर में एवं प्रीबिड क्वेरिज ई-मेल पर acebtp@rediffmail.com भेजने की दिनांक 10.11.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक।
ऑनलाईन तकनीकी निविदा, खोलने की तारीख	कार्य के सम्मुख अंकित कार्यालय में 03.11.2026 अपरान्ह 03.00 बजे खोली जायेगी।	कार्य के सम्मुख अंकित कार्यालय में 13.11.2026 अपरान्ह 03.00 बजे खोली जायेगी।

निविदा की शेष शर्तें यथावत रहेगी।
NIT DIPR RO No.17752

DIPR\C\18178\2026

(जयलाल मीना)
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता सानिवि संभाग भरतपुर
E-mail ID- acebtp@rediffmail.com Mob.-9414304714

कार्यालय उप वन संरक्षक, वन्य जीव कोटा (राज.)

जे. के. पेटेलियन, अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम के सामने, नयापुरा, कोटा
Phone No- 0744-2321263 Mail ID defwl.kota.forest@rajasthan.gov.in-2-defwl232@gmail.com

क्रमांकः एफ () विकास / उवस/वजी/2026-27/6985 दिनांक 30-10-2026

ई-निविदा सूचना सं. 10/2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस वन्यजीव मण्डल के अधीन उम्मेदगंज पक्षी विहार कन्जर्वेशन रिजर्व, कोटा में कैम्पा योजना अन्तर्गत फोरेस्ट गार्ड चौकी निर्माण कार्य करवाया जाना है। उक्त कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत सार्वजनिक निर्माण विभाग व राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों जो राज्य सरकार के नियमानुसार श्रेणी में संवेदकों के समकक्ष हों, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन लाइन निविदा आमन्त्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि 2%	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि	प्रोसेसिंग फीस	चालान द्वारा जमा होने वाले शुल्कों का विवरण
.1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Construction of Forest Guard Chowkies Ummedganj Pakshi Vihar Conservation Reserve Kota	12.67 लाख	25340/-	500/-	90 दिवस	500/-	7. ई-ग्रास के माध्यम से निविदा शुल्क की राशि जरिये चालान लेखाशमद 0075-00-800-52-01 में जमा की जावे। धरोहर राशि लेखाशमद 8443-00-109-00-00 में जमा की जाये। 9. प्रोसेसिंग शुल्क लेखाशमद 8658-00-102-16-03 में जमा की जाये।

कार्यालय का नाम	उप वन संरक्षक, वन्य जीव, कोटा
ऑन लाइन निविदा फार्म मिलने व जमा करवाने की तारीख	30.10.2026 से 12.11.2026 को अपरान्ह 3 बजे तक
ऑनलाईन तकनीकी निविदा खोलने की तारीख	12.11.2026 को अपरान्ह 4 बजे
दोष निवारण अवधि	पक्के कार्य में 5 वर्ष एवं मरम्मत कार्य में 1 वर्ष
निविदा वैधता अवधि	90 दिवस

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http//sppp.rajasthan.in & http//eproc.rajasthan. पर व कार्यालय में देखी जा सकती है। उक्त कार्य पुरानी दर से स्वीकृत होने के कारण उक्त कार्य की दरे PWD BSR 2022 से चार्ज की गई है।
1-UBN No.- FOR2627WSOB03101

DIPR\C\18151\2026

उप वन संरक्षक,
वन्य जीव, कोटा

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, Email:- lokjeewanjpr@gmail.com भीलवाड़ा कार्यालयः 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। फोनः 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, मो. 8306792625